

दैनिक जागरण 06/10/2026

तरह जा सकेंगे।

नूतन कौशल से युक्त युवाओं को सुविधा मिलेगी।

स्मार्ट डिजिटल काउंटर

राम सागर शर्मा, चीफ पोस्ट मास्टर

सर्दियों में महकेगी फुलवारी ... बस अभी बोएं बीज

बारिश के बाद मौसम ने करवट ली तो घर की बालकनी और छत पर सूने पड़े गमलों को फिर से सजाने की तैयारी शुरू हो गई। कई लोग अभी से ऐसे फूलों की तलाश में हैं, जो सर्दियों में घर की फुलवारी को रंगों से भर दें। हालांकि बीज बोने से पहले मिट्टी, धूप और पानी का संतुलन समझना जरूरी है, ताकि पौधे कमजोर न पड़ें और फूल खिलकर आपको खुशी दें।

बारिश के बाद गमलों की मिट्टी में पहले से नमी होती है। ऐसे में तुरंत सिंचाई या अधिक खाद डालने से जड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। मिट्टी की ऊपरी सतह सूखने के बाद ही जरूरत के अनुसार पानी दें। गीली मिट्टी में लगातार पानी देने से फंगस और जड़ सड़ने की समस्या बढ़ सकती है। उद्यान महाविद्यालय के डीन, डा. वीके त्रिपाठी के अनुसार, अक्टूबर के 15 दिन सर्दियों के फूलों की तैयारी के लिए अच्छा समय होता है। इस दौरान कैलेंडुला, पेटूनिया, पैंजी, एंटीराइनम, लाक्सपर, स्वीट एलिसम और कैंडीटफ्ट जैसे फूलों की नर्सरी तैयार की जा सकती है। बीजों को बहुत गहराई में बोने के



फुलवारी

क्यारी में बीज लगाता व्यक्ति • स्वयं
बजाय मिट्टी की हल्की परत से ढकना चाहिए। शुरुआती दिनों में नमी बनाए रखना जरूरी है, लेकिन पानी भरने से बीज सड़ सकते हैं। लाजपत

बोएं ये बीज

- कैलेंडुला: पीले, नारंगी और लाल रंग के फूलों के लिए
- पेटूनिया: गमलों और बालकनी के लिए आकर्षक विकल्प
- पैंजी: सर्दियों में अच्छी तरह खिलने वाला रंगीन फूल
- एंटीराइनम: लंबी डंडी पर खिलने वाले खूबसूरत फूल
- लाक्सपर: फुलवारी में ऊंचाई और रंग देने के लिए
- स्वीट एलिसम: छोटे फूल और हल्की खुशबू के लिए

नगर में रहने वाली शिल्पा सिंह ने घर के आंगन में अच्छी-खासी फुलवारी सजा रखी है। वह बताती हैं कि अक्टूबर में फूलों की पौध तैयार करने का सही समय है, लेकिन तेज धूप में खास ध्यान रखें। हल्की धूप में पौधों को रखने और मिट्टी सूखने पर ही सिंचाई करना चाहिए। स्वरूप नगर निवासी रीना अग्रवाल कहती हैं कि सर्दियों में फुलवारी रंगीन दिखे, इसके लिए तैयारी अभी से करें। पेटूनिया, कैलेंडुला व पैंजी जैसे फूल कम जगह में भी अच्छे लगते हैं। बालकनी में हैंगिंग पाट व रेलिंग वाले गमले लगाकर छोटी जगह में भी फुलवारी तैयार की जा सकती है।

प्रस्तुति- स्नेहा दुबे

गमलों में ऐसे करें हरियाली

- कैलेंडुला: गमले में भुरभुरी मिट्टी भर बीज हल्की सतह पर छिड़कें व ऊपर से पतली मिट्टी डालें।
- पेटूनिया: बीज मिट्टी की सतह पर डालें, गहराई में न दबाएं। हल्की सिंचाई व पर्याप्त रोशनी दें।
- पैंजी: हल्की व अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी में बीज बोएं। अंकुर निकलने तक मिट्टी में नमी रखें।
- एंटीराइनम: बीजों को सतह पर डालकर हल्की मिट्टी से ढकें, अंकुरित होने पर तेज धूप और अधिक पानी से बचाएं।
- लाक्सपर: बीज करीब 0.5 सेमी गहराई में बोएं। पौध निकलने के बाद पर्याप्त धूप और जगह दें।
- स्वीट एलिसम: छोटे बीजों को मिट्टी की सतह पर छिड़ककर हल्का दबाएं। तेजी से पानी की धार नहीं डालें।
- कैंडीटफ्ट: बीज करीब 0.5 सेमी गहराई में बोएं। मिट्टी में हल्की नमी रखें व जलभराव न होने दें।